
Brahmana Proktam Jagannathastotram

ब्रह्मणा प्रोक्तं जगन्नाथस्तोत्रम्

Document Information



Text title : Brahmana Proktam Jagannathastotram

File name : brahmaNAproktaMjagannAthastotram.itx

Category : vishhnu, vishnu, brahmapurANa, stotra

Location : doc_vishhnu

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : brahmapurANa | adhyAya 57/33-37||

Latest update : September 28, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 28, 2024

sanskritdocuments.org

ब्रह्मणा प्रोक्तं जगन्नाथस्तोत्रम्



तस्मात्तेनैव मन्त्रेण भक्त्या कृष्णं जगद्गुरुम् ।
सम्पूज्य गन्धपूष्पाद्यैः प्रणिपत्य प्रसादयेत् ॥ ३२ ॥

ब्रह्मोवाच ।

जय कृष्ण जगन्नाथ जय सर्वाघनाशन ।
जय चाणूरकेशिघ्न जय कंसनिषूदन ॥ ३३ ॥

जय पद्मपलाशाक्ष जय चक्रगदाधर ।
जय नीलाम्बुदश्याम जय सर्वसुखप्रद ॥ ३४ ॥

जय देव जगत्पूज्य जय संसारनाशन ।
जय लोकपते नाथ जय वाञ्छाफलप्रद ॥ ३५ ॥

संसारसागरे घोरे निःसारे दुःखफेनिले ।
निमग्नो ।

अहं सुरश्रेष्ठ त्राहि मां पुरषोत्तम ॥ ३६ ॥

नानारोगोर्मिकलिले मोहावर्तसुदुस्तरे ।
निमग्नोऽहं सुरश्रेष्ठ त्राहि मां पुरुषोत्तम ॥ ३७ ॥

इति ब्रह्मपुराणे सप्तपञ्चाशत्तमाध्यायान्तर्गतं
ब्रह्मणा प्रोक्तं जगन्नाथस्तोत्रं समाप्तम् ।

ब्रह्मपुराण । अध्याय ५७/३३-३७ ॥

brahmapurANa . adhyAya 57/33-37..

Proofread by PSA Easwaran

——
Brahmana Proktam Jagannathastotram

pdf was typeset on September 28, 2024

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

